



Mr.

09 May 1999

03:44 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119312806

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 09/05/1999
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 15:44:00 घंटे
इष्ट _____: 25:22:36 घटी
स्थान _____: Faridabad
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:24:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 15:23:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:33 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:30:21 घंटे
सूर्योदय _____: 05:34:57 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:00:01 घंटे
दिनमान _____: 13:25:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 24:30:41 मेष
लग्न के अंश _____: 12:51:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: धनिष्ठा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: ब्रह्म
करण _____: तैत्तिरीय
गण _____: राक्षस
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

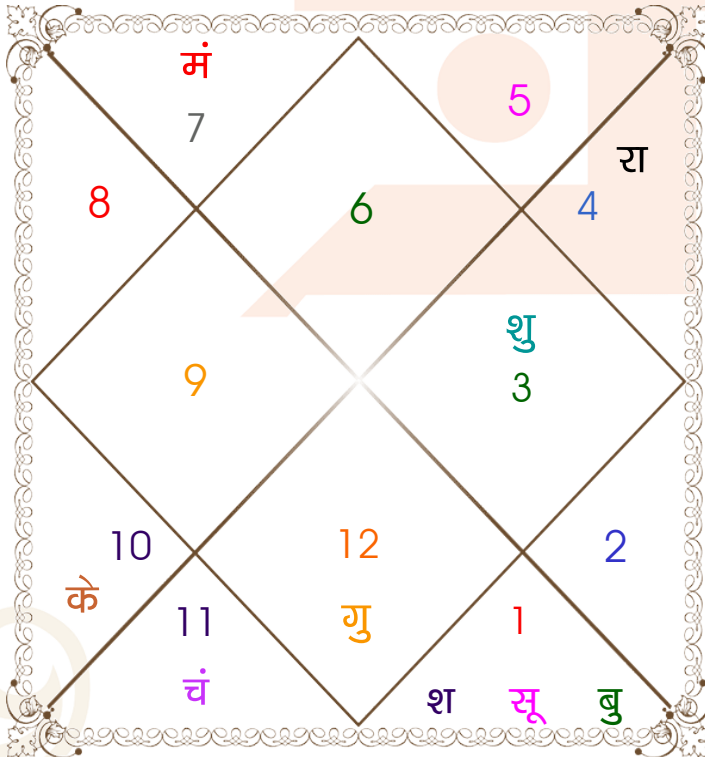
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:51:05	318:21:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मेष	24:30:41	00:58:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	02:51:33	13:03:44	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		तुला	04:58:37	00:19:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध			मेष	07:06:41	01:47:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	26:16:13	00:13:36	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	06:58:50	01:06:50	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	14:26:00	00:07:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	23:33:54	00:00:21	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:33:54	00:00:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:53:03	00:00:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:31:21	00:00:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:51:24	00:01:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	13:07:20	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

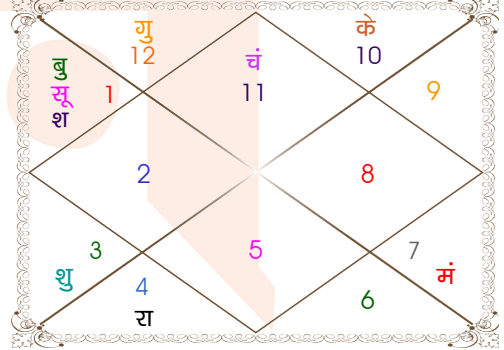
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:40

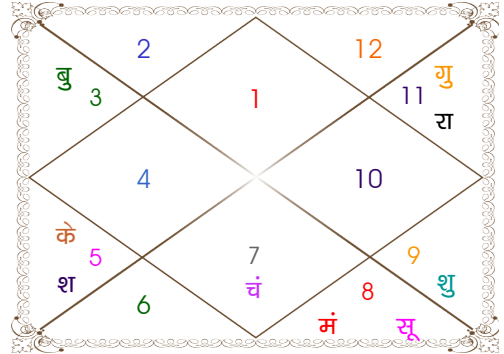
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
09/05/1999	08/05/2001	09/05/2019	09/05/2035	09/05/2054
08/05/2001	09/05/2019	09/05/2035	09/05/2054	09/05/2071
00/00/0000	राहु 19/01/2004	गुरु 26/06/2021	शनि 12/05/2038	बुध 04/10/2056
00/00/0000	गुरु 14/06/2006	शनि 07/01/2024	बुध 19/01/2041	केतु 01/10/2057
00/00/0000	शनि 20/04/2009	बुध 14/04/2026	केतु 28/02/2042	शुक्र 01/08/2060
00/00/0000	बुध 07/11/2011	केतु 21/03/2027	शुक्र 29/04/2045	सूर्य 08/06/2061
00/00/0000	केतु 25/11/2012	शुक्र 19/11/2029	सूर्य 11/04/2046	चंद्र 07/11/2062
09/05/1999	शुक्र 26/11/2015	सूर्य 07/09/2030	चंद्र 10/11/2047	मंगल 04/11/2063
शुक्र 01/06/2000	सूर्य 19/10/2016	चंद्र 07/01/2032	मंगल 19/12/2048	राहु 24/05/2066
सूर्य 07/10/2000	चंद्र 20/04/2018	मंगल 13/12/2032	राहु 26/10/2051	गुरु 29/08/2068
चंद्र 08/05/2001	मंगल 09/05/2019	राहु 09/05/2035	गुरु 09/05/2054	शनि 09/05/2071

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
09/05/2071	09/05/2078	09/05/2098	09/05/2104	10/05/2114
09/05/2078	09/05/2098	09/05/2104	10/05/2114	00/00/0000
केतु 05/10/2071	शुक्र 07/09/2081	सूर्य 26/08/2098	चंद्र 09/03/2105	मंगल 06/10/2114
शुक्र 04/12/2072	सूर्य 07/09/2082	चंद्र 25/02/2099	मंगल 08/10/2105	राहु 24/10/2115
सूर्य 11/04/2073	चंद्र 08/05/2084	मंगल 03/07/2099	राहु 09/04/2107	गुरु 29/09/2116
चंद्र 10/11/2073	मंगल 08/07/2085	राहु 27/05/2100	गुरु 08/08/2108	शनि 08/11/2117
मंगल 08/04/2074	राहु 08/07/2088	गुरु 16/03/2101	शनि 10/03/2110	बुध 05/11/2118
राहु 27/04/2075	गुरु 09/03/2091	शनि 25/02/2102	बुध 09/08/2111	केतु 03/04/2119
गुरु 02/04/2076	शनि 09/05/2094	बुध 02/01/2103	केतु 09/03/2112	शुक्र 10/05/2119
शनि 11/05/2077	बुध 08/03/2097	केतु 10/05/2103	शुक्र 08/11/2113	00/00/0000
बुध 09/05/2078	केतु 09/05/2098	शुक्र 09/05/2104	सूर्य 10/05/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृत्ति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृत्ति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगी। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक बार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएंगी। अर्थात् सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत्त कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाएँ।

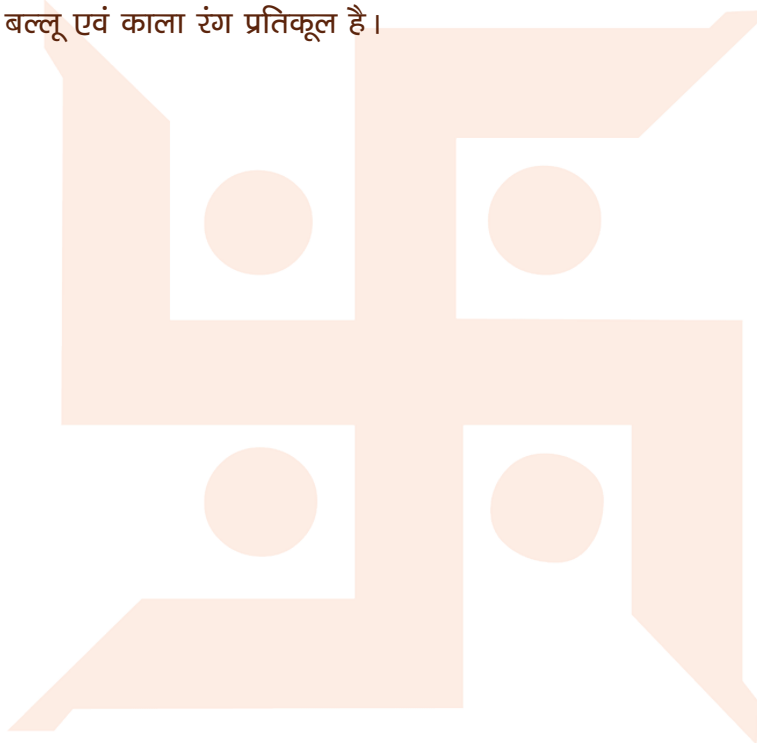
यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात् मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की हासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यो आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्णकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगी। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, टयूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

